श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय

वार्षिक प्रतिवेदन – २०२१ - २२

आनन्दम् ब्रह्म

॥ श्री गङ्गेश्वराय नमः ॥ ॥ सेतूँस्तरदुस्तरान् ॥

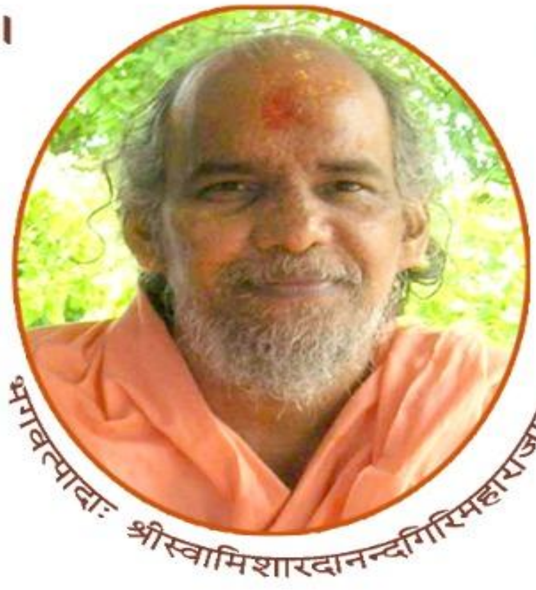

श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय

वार्षिक प्रतिवेदन – २०२१ - २२

आनन्दम् ब्रह्म

श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय
श्री परमानन्द आश्रम, पोस्ट – झूसी, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) २११ ०१९

वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2021–2022

श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय की स्थापना श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष ब्रह्मलीन **श्री 108 स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज** द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर दिनांक–07.07.1999 को की गयी थी। विद्यालय को महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन से दिनांक–01.04.2001 से ''**वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने की योजना**'' के अन्तर्गत इकाई के रूप में मान्यता प्रदान की गयी। प्रतिष्ठान द्वारा वेद के प्रचार–प्रसार एवं इसके संरक्षण, संवर्धन के लक्ष्यों, उद्देश्यों को सफलतापूर्वक हासिल करते हुए विद्यालय द्वारा उत्तरोत्तर प्रगति की गयी। तीन वर्षों के बाद संस्था का सम्यक् आकलन कर महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा वर्ष 2004–2005 से विद्यालय को पाठशाला योजना में सम्मिलित कर गरिमा प्रदान की गयी। श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के उद्देश्य निम्नलिखित हैं –

(क) वेदादि प्राचीन संस्कृत वाङ्गमय का अध्यापन।

(ख) वेद पाठ की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाने के लिये प्रयासरत रहना।

(ग) बाल्यावस्था से वेदपाठ में पारंगत करना।

(घ) वेद सभा, सम्मेलन, पारायण, विद्वानों का सम्मान, व्याख्यानमाला तथा प्रतियोगिता का आयोजन करना।

(ङ) पुस्तकालय, प्रकाशन, वैदिक सनातन धर्म दर्शन का प्रचार–प्रसार।

(च) वेद–छात्र कल्याणकारी योजनाओं को चलाना, छात्रावास, छात्रवृत्ति उपलब्ध कराना।

(छ) योग्य छात्रों को धर्मशास्त्र तथा कर्मकाण्ड में प्रशिक्षित करना।

(ज) संस्कृत तथा अन्य भाषाओं का ज्ञान, आधुनिक विज्ञान, तथा गणित के साथ सामाजिक विज्ञान एवं आंग्ल भाषा, वैदिक विज्ञान का ज्ञान कराना।

(झ) आधुनिक परिवेश को देखते हुये छात्रों को कम्प्यूटर तथा अन्य ट्रेनिंग दिलाने की सुचारु रुप से व्यवस्था की गयी।

(ञ) सम्मानजनक जीविकोपार्जन तथा नियुक्तियों में परामर्श की सुविधा प्रदान करना।

(ट) वैदिक सनातन जीवनदृष्टि के अनुकूल समाज तथा बाह्यान्तरिक प्रकृति का विकास विश्वकल्याण के कार्य हेतु भिन्न–भिन्न प्रकार के क्रियाकलाप क्रियान्वित करना।

उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के सहयोग से लगातार प्रगति की ओर अग्रसर है। प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान संस्था के माननीय **अध्यक्ष श्री स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज के शिवसायुज्य होने के कारण संस्था को भारी क्षति हुई है।** पूरी दुनिया में फैली कोरोना महामारी की विभीषिका ने संस्था के अध्यक्ष श्री स्वामी शारदानन्द गिरि जी को अपनी चपेट में ले लिया और परमवीतराग धर्मालङ्कार यतिसम्राट सांख्ययोगवेदांताचार्य संतशिरोमणि परम श्रद्धेय श्री 108 स्वामी

शारदानन्द गिरि जी महाराज लंबे उपचार के दौरान दिनांक 30 जून, 2021 दिन बुधवार को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में ब्रह्मलीन हो गये। उन्हें दिनांक 01 जुलाई दिन गुरुवार को

श्री परमानन्द आश्रम परिसर में सन्यास परम्परानुसार पूरे विधि विधान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भू–समाधि दी गयी। इस दौरान काशी, प्रयाग सहित विभिन्न प्रदेशों से पधारे संतगणों, विद्वानों, सदस्यों एवं भक्तों ने ब्रह्मसायुज्य को प्राप्त श्री स्वामी शारदानन्द गिरि जी को अपनी सादर पुष्पांजलि अर्पित की। सभी सदस्यों ने वेद–वेदान्तादि शास्त्रों के अनन्य उपासक, आर्ष सिद्धांतों के महान्

संरक्षक, विद्वत्परंपरा और संस्कृत वेद आदि का अध्ययन करने वाले छात्रों के पोषक और हर एक के अभिभावक श्री स्वामी शारदानन्द गिरि जी द्वारा विद्यालय के उन्नयन और वेद, संस्कृत जगत् के लिये किये गये उनके कार्यों को याद किया। इसके उपरांत वहां मौजूद सभी सदस्यों ने शोक व्यक्त करते हुए 2 मिनट का मौन रखा और श्री स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज को अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इसी क्रम में ब्रह्मलीन श्री 108 स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज ने अपने उत्तराधिकारी के तौर पर सन्यास परंपरा के योग्य व पठित संत **श्री स्वामी विद्याधीशानन्द गिरि जी** के नाम की घोषणा सदस्यगणों की मौजूदगी में अपने जीवनकाल के दौरान ही कर दी थी। संस्था के अध्यक्ष श्री 108 स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज के ब्रह्मलीन होने से उत्पन्न हुई विषम परिस्थितियों में सन्त परम्परा के अनुसार तथा कोविड दिशा–निर्देशों को ध्यान में रखते हुए संस्था की

साधारण सभा व प्रबंध समिति ने वर्चुअल डिजिटल माध्यम से उपस्थित **श्री स्वामी विद्याधीशानन्द गिरि जी का विद्यालय के अध्यक्ष पद पर चयन** करने का प्रस्ताव किया, जिसका सहर्ष अनुमोदन विद्यालय के कोषाध्यक्ष श्री रामसजीवन शुक्ल आदि ने किया। सभी सदस्यों ने इस प्रस्ताव का एकमत से स्वागत किया और संस्था के अध्यक्ष पद पर श्री स्वामी विद्याधीशानन्द गिरि जी को चयनित किये जाने पर अपनी स्वीकृति प्रदान की।

इसके अलावा संस्था की साधारण सभा व प्रबंध समिति की बैठक में श्री स्वामी शरदपुरी जी को उपाध्यक्ष पद पर चयनित किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री स्वामी विद्याधीशानन्द गिरि जी ने संस्था के प्रबंधक और उपाध्यक्ष को संस्था के दैनन्दिन कार्यों की पूर्ति के लिये अधिकृत किया।

01. **गुरुपूर्णिमा**–आषाढ़ मास की पूर्णिमा यानी गुरुपूर्णिमा के अवसर पर गुरु पूजा का विधान है। लेकिन इस वर्ष कोरोना महामारी के चलते संक्षिप्त रूप से गुरु पूर्णिमा का प्रतीकात्मक आयोजन किया गया। गुरु पूर्णिमा के पवित्र दिन से चार महीने तक परिव्राजक साधु–सन्त एक ही स्थान पर रहकर ज्ञानवर्धन करते हैं। ये चार महीने मौसम की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ होते हैं। इस दिन श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय का वार्षिक स्थापना दिवस भी मनाया जाता है। परम्परागत रूप से प्रतिवर्ष की भाँति प्राचीन वैदिक परम्परा एवं गुरु शिष्य परम्परा को अक्षुण्य गति प्रदान करने के लिये गुरुपूर्णिमाके दिन गुरु का पूजन किया गया। इस वर्ष श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय की साधारण सभा एवं प्रबन्धकारिणी समिति की महत्वपूर्ण बैठक कोरोना के कारण रद्द कर दी गयी।

02. कोरोना महामारी को देखते हुए महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन और स्थानीय प्रशासन, राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का पूर्ण अनुपालन करते हुए डिजिटल, ऑन–लाइन माध्यम से पठन–पाठन सुचारु ढंग से संपादित किया गया। इस दौरान यह देखने में आया कि सुदूरवर्ती इलाकों के छात्रों को कनेक्टिविटी आदि की समस्या हुई। लेकिन विद्यालय में शुरु से ही वेद पाठी छात्रों को कम्प्यूटर आदि का ज्ञान दिये जाने के कारण उन्हें

ऑनलाइन तकनीक के माध्यम से पढ़ने में कोई दिक्कत नहीं हुई। आज के आधुनिक दौर में कम्प्यूटर का ज्ञान एवं आधुनिक विषयों (संस्कृत, सामाजिक, अंग्रेजी तथा गणित) का ज्ञान होना, न केवल विकास एवं रोजगारपरकता को बढ़ाता है, बल्कि विपरीत परिस्थितियों में यह काफी सहायक सिद्ध होता है। प्रतिस्पर्धात्मक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए वेद छात्रों के लिये कम्प्यूटर साक्षरता कार्यक्रम को विद्यालय अपने निजी साधनों से और मजबूत बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। आधुनिक दौर में वेद वेदांगों सहित आधुनिक विषयों एवं सम्यक् तकनीक का ज्ञान होना अत्यन्त आवश्यक है। कम्प्यूटर ज्ञान तथा आधुनिक विषयों से वेद छात्रों का जहां सशक्तिकरण होगा वहीं उनकी योग्यता तथा आत्मविश्वास दोनों में वृद्धि होगी। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अप्रैल 2006 से प्रारम्भ हुए वेद विद्यार्थियों के कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम में सराहनीय प्रगति हुई है।

03. संस्था के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री स्वामी विद्याधीशानन्द जी ने वेद पाठशाला में अपनी तरफ से 5 नये आधुनिक कम्प्यूटर सेट के साथ प्रिंटिंग उपकरण भी स्थापित कराए हैं ताकि वैदिक बटुकों को कम्प्यूटर शिक्षा के अन्तर्गत छात्रों को

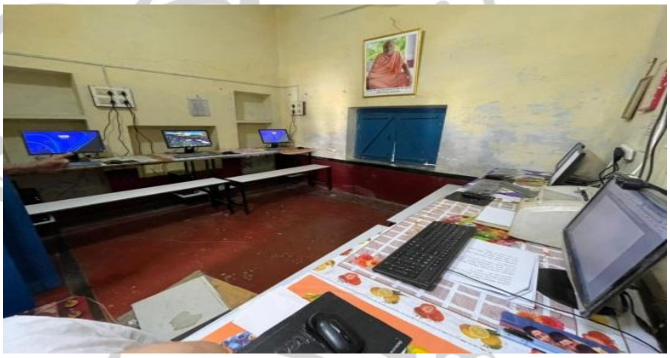

कम्प्यूटर परिचय, कम्प्यूटर टंकण (हिन्दी एवं अंग्रेजी), कम्प्यूटर की उत्पत्ति एवं उसका विकास, Internet & Multimedia,कम्प्यूटर हार्डवेयर, साफ्टवेयर एवं उसके प्रकार एवं अनुप्रयोग आदि का अधिकाधिक ज्ञान प्राप्त हो सके। साथ ही जरुरत पड़ने पर इनका कार्यालय आधुनिकीकरण में भी उपयोग किया जा सके। पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी वेद पाठशाला में कम्प्यूटर शिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। इसके अलावा, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन से अपेक्षा है कि वह अपने स्तर पर भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय से विशेष योजना स्वीकृत कराकर सभी पाठशालाओं के लिये कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराए।

04. 09 अगस्त, 2021 दिन–रविवार भाद्रकृष्णषष्ठी के अवसर पर प्रातःस्मरणीय परम पूज्यब्रह्मलीन श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि जी की पुण्य–स्मृति के अवसर पर वेद ऋचाओं के सस्वर वेदपाठ, संगीतमय स्तोत्रपाठ किया गया। संस्था के अध्यक्ष श्री स्वामी विद्याधीशानन्द गिरि जी महाराज ने सभी के उज्जवल भविष्य की मंगलकामना की और वेदाध्ययन में सन्नद्ध छात्रों को परिश्रम के साथ जीवन में निरंतर प्रगति करने का आशीर्वाद दिया।

05. 15 अगस्त, 2021 को प्रातः 8 बजे श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय, श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट, झूंसी, प्रयागराज के प्रांगण में स्वतन्त्रता दिवस के परिप्रेक्ष्य में पूज्य स्वामी श्री नृसिंह तीर्थ जी महाराज, उत्तरकाशी उत्तराखण्ड के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। जिसमें आश्रम के प्रबंधक श्री ब्रह्मचारी मोहन जी, प्रधानाचार्य श्री ब्रजमोहन पाण्डेय जी, समस्त अध्यापकगण, छात्रगण एवं गणमान्य लोगों ने सामाजिक दूरी का पालन करते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। ध्वजारोहण के उपरान्त छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में सभी को संबोधित करते हुए स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान हमारे महान् स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा दिये गये त्याग, बलिदान का उल्लेख किया और उन्हें भावपूर्ण श्रद्धासुमन अर्पित किये।

06. 31 अगस्त, 2021 दिन–बुधवार को विद्यालय परिसर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव का आयोजन किया

गया। भाद्रपद कृष्णपक्ष की अष्टमी तिथि की मध्यरात्रि कंस के अत्याचारों से लोगों को छुटकारा दिलाने के लिये भगवान् श्रीकृष्ण ने मथुरा में अवतार लिया। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के शुभवसर पर विद्यालय में बाल गोपाल के जन्म की भव्य झांकी सजायी गयी और **''कृष्णाष्टकम्, ''गोविन्दाष्टकम् ''गोपी मंगल गीत''** तथा भगवत् स्तुति का पाठ किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार द्वारा विधिपूर्वक भजन–कीर्तन इत्यादि के साथ भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। वेदच्छात्रों को भगवान श्री कृष्ण के संदेशों, शिक्षाओं के बारें में विस्तार से बताया गया।

07. 15 नवम्बर 2021 तुलसी विवाह कार्तिक मास की देव प्रबोधिनी एकादशी को तुलसी विवाह के रुप में मनाया जाता है। इस दिन शालिग्राम और तुलसी जी का विवाह कराकर पुण्यात्मा लोग कन्या दान का फल प्राप्त करते हैं। तुलसी के पौधे को

पवित्र एवं पूजनीय माना जाता है। प्राचीन काल से चले आ रहे तुलसी विवाहोत्सव आयोजन को समस्त ग्रामीण, आश्रमवासी व विद्यालय के आचार्यादि सहित वैदिक छात्रों द्वारा वैदिक मन्त्रोच्चारपूर्वक सम्पन्न किया गया। इसी उपक्रम में तुलसी की वैशिष्टता, महत्व तथा समाज में उपादेयता के विषय को भी लेकर परिचर्चा की गई।

08. 02 दिसंबर 2021 को 'विश्व कम्प्यूटर साक्षरता दिवस' मनाया गया। इस अवसर पर संस्था में वेदपाठी छात्रों के लिये विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें छात्रों को कम्प्यूटर चलाने या डिजिटल एक्सेस, डिवाइसें (जैसे टैबलेट, स्मार्ट फोन आदि), ई–मेल भेजना और प्राप्त करना, इंटरनेट ब्राउज़ करना, सरकारी सेवाओं का उपयोग करना, सूचना के लिए खोज करना, डिजिटल भुगतान

करना आदि की जानकारी दी गयी। साथ ही, छात्रों को सरकार द्वारा संचालित

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत सूचना प्रौद्योगिकी और संबंधित अनुप्रयोगों में शामिल होकर राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिये प्रोत्साहित किया गया। श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय में आधुनिक विषय अध्यापक श्री अंजनी कुमार सिंह, जो अतिरिक्त रूप से वेद छात्रों को कम्प्यूटर शिक्षा भी देते हैं इन्होंने इस विशेष कार्यशाला के दौरान वेद छात्रों को

- डिजिटल उपकरणों का परिचय
- ऑपरेटिंग डिजिटल डिवाइस
- इंटरनेट का परिचय
- इंटरनेट का इस्तेमाल करते हुए संचार
- इंटरनेट के आवेदन

आदि के विषय में अत्यंत सारगर्भित जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कम्प्यूटर साक्षरता का उद्देश्य डिजिटल विभाजन की खाई को कम करना है। डिजिटल साक्षरता छात्रों की क्षमता के अनुसार समझ और जीवन परिस्थितियों में डिजिटल तकनीक का सार्थक कार्यों के लिए उपयोग सुगम बनाती है। डिजिटली साक्षर व्यक्ति कंप्यूटर/ डिजिटल एक्सेस डिवाइस (जैसे टेबलेट, स्मार्ट फोन, आदि) को आसानी से संचालित करता है। ईमेल भेजना, प्राप्त करना, इंटरनेट ब्राउज़ करना, सरकारी सेवाएं एक्सेस करना अपनी जरुरत की जानकारी खोजना आदि कर सकता है। वेद पाठशाला में शिक्षण प्रक्रिया के साथ आईसीटी को शामिल करने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित करने और उनके शिक्षण को और अधिक गुणात्मक बनाने के लिए नियमित रूप से कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं।

09. 13.01.2022 स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज का प्राकट्य दिवस के अवसर पर विशेष पूजन के साथ छात्रों के लिये स्पर्धा का आयोजन किया गया। लेकिन ओमिक्रॉन की संभावित लहर को देखते हुए प्रशासन द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अनुपालन में वेदपारायण आदि अन्य सभी प्रस्तावित कार्यक्रम रद्द कर दिये गये।

10. 21 जनवरी 2022 को विद्यालय के प्राचार्य श्री ब्रजमोहन पाण्डेय जी एवं संस्था के सचिव डॉ. मनोज झुनझुनवाला ने संयुक्त रूप से सभी छात्रों एवं अध्यापकों को कोविड–19 के विषय में सरकार द्वारा जारी निर्देशों का स्मरण कराया एवं सभी से मास्क एवं सेनिटाइजर का अनिवार्य उपयोग करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि यह बिमारी बेहद संक्रामक एवं खतरनाक है। पठन–पाठन के दौरान भी केन्द्र सरकार, राज्य सरकार एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का पूर्णतः पालन करते हुए स्वच्छता, सतर्कता और सामाजिक दूरी बनाए रखना है। संस्था के सचिव एवं प्राचार्य सहित समस्त अध्यापकों द्वारा छात्रावास का निरीक्षण किया गया एवं छात्रों को निर्देशित किया गया कि अपने आस–पास सफाई का विशेष ध्यान रखें।

11. 26 जनवरी, 2022 गणतन्त्र दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट के प्रबन्धक श्री मोहन ब्रह्मचारी जी के द्वारा वेद विद्यालय के प्रांगण में ध्वजारोहण किया गया तथा छात्रों को राष्ट्र के प्रति एवं अपने संविधान के प्रति आस्था रखने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान भारतीय संविधान के साथ–साथ वेदाध्ययन के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला गया। छात्रों द्वारा प्रस्तुत किये गये सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए श्री प्राचार्य जी ने सभी को अपने आशीर्वचनों से अभिसिंचित किया एवं छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए पुरस्कार वितरण किया। प्रसाद स्वरूप फल, मिष्ठान के वितरण के बाद समारोह का समापन किया गया।

12. 30 जनवरी 2022 को शहीद दिवस के अवसर पर देश की आन–बान–शान के लिये अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किये गये। पूरा देश आज के दिन अपने स्वतन्त्रता सेनानियों के बलिदान का सम्मान

करने के लिये शहीद दिवस मनाता है। देश को आज़ादी दिलाने के लिए भारत के वीर सपूतों ने कई बलिदान दिए अंग्रेजी हुकूमत की अनेक यातनाएं सही। उन सभी वीर शहीदों की बदौलत हम आज खुली हवा में आज़ादी की सांस ले पा रहे हैं। भारत में शहीद दिवस को मनाने का उद्देश्य उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करना है जिन्होंने देश के लिए हंसते–हंसते अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। 30 जनवरी 1948 को राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी की एक प्रार्थना सभा में जाने के दौरान नाथूराम गोडसे ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। बापु की पुण्यतिथि के दिन को हर साल शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। वहीं 23 मार्च को अपने पराक्रम, शौर्य और आत्मोत्सर्ग से देश के जन–जन में स्वाधीनता की अलख जगाने वाले माँ भारती के अमर सपूत, महान क्रांतिकारी भगत सिंह, सुखदेव एवं राजगुरु को उनके बलिदान दिवस याद करते हुए मनाया जाता है। 23 मार्च, 1931 को इन तीनों क्रांतिकारियों को लाहौर में फांसी दी गई थी। छात्रों को देश के लिये भाहादत देने वालों के बारे में बताया गया और उनमें देश भक्ति की भावना को और मजबूत करने का प्रयास किया गया।

13. 05 फरवरी, 2022 को वसन्तपंचमी के अवसर पर छात्रों द्वारा मां सरस्वती देवी की प्रतिमा का पूजन–अर्चन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त अध्यापकगण एवं छात्रों द्वारा मां वाग्देवी की आराधना की गयी। छात्रों ने मां सरस्वती से प्रार्थना करी कि वाणी की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती उनकी पूजा और आराधना स्वीकार करें। ब्राह्मण शास्त्रों के अनुसार, वाग्देवी सरस्वती ब्रह्मस्वरूप, कामधेनु और सभी देवताओं की प्रतिनिधि हैं। वह विद्या, बुद्धि और ज्ञान की देवी हैं अतः छात्रों में अध्ययन के लिये निरंतर भाक्ति का संचार करें और वाणी सहित सभी आत्माओं को ज्ञान और बुद्धि प्रदान करें। छात्रों को

बताया गया कि वसंत पंचमी के दिन से ही वसंत ऋतु का आगमन होता है, जो सभी ऋतुओं का राजा होता है।

14. 07 फरवरी, 2022 दिन सोमवार को पाठशाला द्वारा नवीन छात्रों का उपनयन संस्कार विद्यालय के आचार्यगणों के निर्देशन में वैदिक विधि से सम्पन्न कराया गया। उपनयन संस्कार का ही अन्य नाम उपवीत,

यज्ञोपवीत, व्रतबन्ध, ब्रह्मसूत्रधारण, मौंजीवन्धन, जनेऊ आदि है। उप समीपे (गुरोः) वेदाध्ययनार्थं येन कर्मणा नीयते तद् उपनयनम्, वेदाध्ययन के लिए गुरु (आचार्य) के समीप जिस प्रक्रिया के द्वारा बालक को पहुंचाया जाता है उसे उपनयन संस्कार कहते हैं।

15. महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा वार्षिक परीक्षा का आयोजन 24 एवं 25 फरवरी 2022 को कराने का निर्देश दिया गया। इसके अनुपालन में श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय में प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ एवं षष्ठ वर्ष में अध्ययनरत वेदछात्रों की वार्षिक परीक्षा (लिखित, मौखिक) का आयोजन हुआ। प्रतिश्ठान द्वारा यहां केन्द्र स्थापित कर गुरु–शिष्य परम्परा/पाठशाला योजना के वेद छात्रों की वार्षिक परीक्षा

को म.सा.रा.वे.विद्या प्रतिष्ठान, द्वारा नियुक्त प्रेक्षक डॉ. सुरेश पाण्डेय जी के कुशल पर्यवेक्षण में संपन्न कराया गया। पूर्व के वर्षों की भांति इस वर्ष भी हमारी वेद पाठशाला ने अपने दायित्व का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। प्रतिष्ठान के दिशा–निर्देशों के आधार पर बिना किसी बाधा के सुचारु रूप से पारदर्शी तरीके

से परीक्षा करायी गयी। प्रतिष्ठान द्वारा नियुक्त गुणी परीक्षकों के सहयोग और केन्द्र व्यवस्थापक श्री ब्रजमोहन पाण्डेय एवं सह–केन्द्र व्यवस्थापक श्री अजय मिश्र के अथक परिश्रम से क्षेत्रीय स्तर पर विभिन्न वेद पाठशालाओं और ईकाइयों के वेद छात्रों परीक्षा कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा हुआ। परीक्षा में उपस्थित प्रेक्षक, परीक्षकों एवं केन्द्र पर उपस्थित समस्त अध्यापकों एवं वेद छात्रों की लिखित एवं मौखिक परीक्षा के दौरान दोनों पालियों में समयानुसार नाश्ते एवं स्वादिष्ट भोजन की उत्तम व्यवस्था की गई।

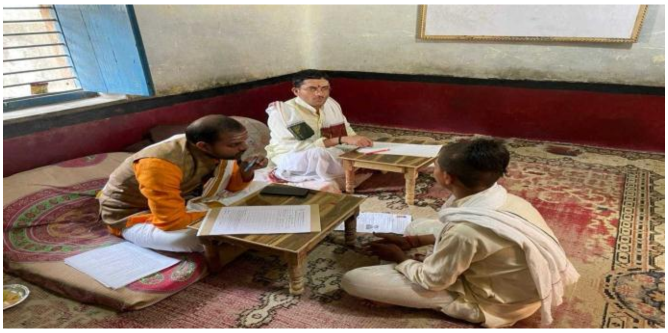

****

****

****